BHU – 2012

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

1. 'हिक्का' लक्षण है –
(a) गुद विद्रधि का
(b) बस्ति विद्रधि का
(c) नाभि विद्रधि का
(d) प्लीहा विद्रधि का

1. "Hikka" is the feature of
(a) Guda Vidradhi
(b) Basti Vidradhi
(c) Nabhi Vidradhi
(d) Pliha Vidradhi

2. सुश्रुत द्वारा वर्णित गुद विद्रधि का एक विशेष लक्षण है –
(a) अपान वायु का निरोध
(b) मल का निरोध
(c) मूत्र का निरोध
(d) तीव्र ज्वर

2. Indicate the specific single feature of Guda-Vidradhi mentioned by Sushruta-
(a) arrest of flatus
(b) arrest of feces
(c) arrest of urine
(d) high fever

3. रक्तमोक्षण के पश्चात् हमें रक्षा करनी चाहिये –
(a) अग्नि की
(b) वायु की
(c) रस की
(d) धातु की

3. We should protect after *Raktamokshana*
(a)Agni
(b)Vayu
(c)Rasa
(d)Dhatu

4. सुश्रुतानुसार प्रलेप का निम्नलिखित में से कौन सा सही स्वरूप है –
(a) शीत, तनु, अविशोषी या विशोषी
(b) उष्ण, शीत, बहल और विशोषी
(c) शीतोष्ण, पिच्छिल और विशोषी
(d) उष्ण, सान्द्र और अविशोषी

4. According to Sushruta which of the following is the correct feature of "Pralepa"
(a) Sheeta, Tanu, Avishoshi or Vishoshi
(b) Ushna, Sheeta, Bahal and Vishoshi
(c) Sheetoshna, Picchila and Vishoshi
(d) Ushna, Sandra and Avishoshi

5. 'यवनध्यानि' लक्षण है –
(a) वातज अर्श का
(b) पित्तज अर्श का
(c) श्लेष्मज अर्श का
(d) सहज अर्श का

5. "Yavanadhyani" is the feature of
(a) Vataj Arsha
(b) Pittaj Arsha
(c) Shleshmaj Arsha
(d) Sahaj Arsha

1

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

6. ओज के बारह स्थानों का वर्णन किया है।
(a) भेल (b) हारीत
(c) माधव (d) काश्यप

6. Twelve sites of the ojas have been described by
(a) Bhela (b) Harita
(c) Madhava (d) Kashyapa

7. निद्रोपप्लुप्तेन तन्द्रायुक्तेन मनसा विषयग्रहणं को कहते है ।
(a) तुरीयावस्था
(b) दूषित मन के लक्षण
(c) स्वप्न
(d) सुसुप्तावस्था

7. 'निद्रोपप्लुप्तेन तन्द्रायुक्तेन मनसा विषयग्रहणं' is called
(a) Turiyavasatha
(b) Features of vitiated Mana
(c) Swapna
(d) Sushuptawastha

8. 'शीर्यन्त इव चास्थीनि दुर्बलानि लघूनि च । प्रततं वातरोगीणि' लक्षण है ।
(a) मज्जासार पुरुष (b) अस्थि क्षय
(c) मज्जा क्षय (d) मेद क्षय

8. 'शीर्यन्त इव चास्थीनि दुर्बलानि लघूनि च। प्रततं वातरोगीणि' are the features of
(a) Majja sara Purusa (b) Asthi Kshaya
(c) Majja Kshaya (d) Meda Kshaya

9. 'स्निग्धमूत्रस्वेदस्वरं वृहच्छरीरमायासासहिष्णुं लक्षण है
(a) मेद वृद्धि
(b) मेदसार पुरूष
(c) मज्जा वृद्धि
(d) मज्जासार पुरुष

9. 'स्निग्धमूत्रस्वेदस्वरं वृहच्छरीरमायासासहिष्णुं' are the features of which of the following.
(a) Meda Vriddhi
(b) Medasaara Purusha
(c) Majja Vriddhi
(d) Majjasara Purusha

10. 'परुषा स्फुटिता म्लाना त्वग्रुक्षा' किस क्षय के लक्षण है
(a) रस क्षय (b) कफ क्षय
(c) रक्त क्षय (d) मज्जा क्षय

10. 'परुषा स्फुटिता म्लाना त्वग्रुक्षा' are the features of which Kshaya.
(a) Rasa Kshaya (b) Kapha Kshaya
(c) Rakta Kshaya (d) Majja Kshaya

11. 'शब्दार्चिजल सन्तानवदणुना विशेषाणानुधावत्येवं' का वर्णन निम्न में से किसके लिये किया गया है
(a) रक्त परिभ्रमण
(b) रस परिभ्रमण
(c) प्राण वायु
(d) मज्जा परिभ्रमण

11. 'शब्दार्चिजल सन्तानवदणुना विशेषाणानुधावत्येवं" is described for which of the following.
(a) Blood circulation
(b) Rasa circulation
(c) Prana Vayu
(d) Majja circulation

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

12. अग्न्याशये भवेत् पित्तमग्निरूपं तिलोन्मितम् पाचकम् । यह वर्णन किसने किया है ।
(a) काश्यप (b) शार्ङ्गधर
(c) चक्रपाणि (d) जेज्जट

12. अग्न्याशये भवेत् पित्तमग्निरूपं तिलोन्मितम् पाचकम्। who has described this.
(a) Kashyapa (b) Sharangadhar
(c) Chakrapni (d) Jejjata

13. ब्लास्टोसिस्ट का गर्भाशय में इम्पलान्टेशन लगभग होता है ।
(a) ओव्युलेशन के पांचवें सातवें दिन के बाद
(b) ओव्युलेशन के तुरन्त बाद
(c) ओव्युलेशन के तीसरे दिन के बाद
(d) ओव्युलेशन के तुरन्त पहले

13. Implantation of the blastocyst in the uterus occurs on about
(a) 5^{th} -7^{th} day after ovulation
(b) Just after ovulation
(c) After 3^{rd} day of ovulation
(d) Just before ovulation

14. पैसिनियन कोर्पसल्स है ।
(a) स्पर्श रिसेप्टर (b) रक्त केशिकाए
(c) गन्ध रिसेप्टर (d) उपरोक्त सभी

14. Pacinian corpuscles are
(a) Touch receptors (b) Blood cells
(c) Smell Receptors (d) All of the above

15. निम्न में से ऑख के किस एक भाग में सबसे अधिक रोडस होते हैं ।
(a) आइरिस (b) आप्टिक डिस्क
(c) सलिअरि बाडी (d) पैराफोवियल रीजन

15. Which one of the following parts of the eye has the greatest concentration of rods.
(a) Iris (b) Optic disc
(c) Cilliary body (d) Parafoveal Region

16. कौन सी वृक्कास्मरी रेडियो–ओपेक नहीं है।
(a) यूरिक एसिड
(b) कैल्शियम आक्जेलेट
(c) ट्रिपल फास्फेट
(d) स्टैगहॉर्न अश्मरी

16. Which Renal calculi is not radio opaque
(a) Uric acid
(b) Calcium oxalate
(c) Tripal phosphate
(d) Staghorn calculus

17. अण्डाशय सिस्ट के आधार सूत्र के आपस में उलझने के लक्षण हैं –
(a) सकर विकार
(b) समर विकार
(c) टोमर विकार
(d) वैनजेती विकार

17. Intwisting of pedicle of ovarian cy sign present in
(a) Suker's disease
(b) Summer's disease
(c) Trommer's disease
(d) Vanzetti's disease

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

18. फुटबाल लक्षण किस व्याधि में पाया जाता है –
(a) पोर्सलेन जी बी
(b) जलोदर
(c) वातोदर
(d) यकृतसिरा थ्रांमबोसिस

18. Football sign is seen in
(a) Porcelain GB
(b) Ascites
(c) Pneumoperitoneum
(d) Portal vein thrombosis

19. प्रजनन आयु में सामान्यतया होने वाला स्तनार्बुद है –
(a) फाइब्रोएडिनोमा (b) सिस्ट
(c) लाइपोमा (d) पैपिलोमा

19. Most common benign tumor of the breast in the reproductive years.
(a) Fibroadenoma (b) Cyst
(c) Lipoma (d) Papilloma

20. पृष्ठवंश की ग्रीवास्थियों (Cervical vertebra) का जन्मजात एकीकरण किस व्याधि का लक्षण है –
(a) क्लिप्पल–फील सिन्ड्रोम
(b) स्प्रिन्जल विकार
(c) कोचर विकार
(d) लुपस सन्धिशोथ

20. Congenital fusion of cervical vertebrae is feature of -
(a) Klippel–Feil Syndrome
(b) Sprengel's deformity
(c) Kocher's disease
(d) Lupus arthritis

21. प्रथम वृक्क प्रत्यारोपण (Kidney Transplant) बृंघम चिकित्सालय बोस्टन में किस वर्ष किया गया –
(a) 1954 (b)1955
(c) 1956 (d) 1957

21. The first successful kidney transplant was performed at Brigham Hospital Boston in the year.
(a) 1954 (b)1955
(c) 1956 (d) 1957

22. चरक ने कीटों की उत्पत्ति माना है ।
(a) सर्प के मलमूत्र से
(b) गोधा के मलमूत्र से
(c) जलौका के मलमूत्र से
(d) मूषक के मलमूत्र से

22. As per Charak Insects are generated from
(a) Mala mutra of Sarpa
(b) Mala mutra of Godha
(c) Mala mutra of Jalauka
(d) Mala mutra of Musak

23. दूषी विष के लक्षण है ।
(a) लालास्राव (b) श्वासरोग
(c) किटिभ (d) गलग्रह

23. Which one is symptom of Dushi vish
(a) Lalasrava (b) Swasroga
(c) Kitibha (d) Galagraha

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

24. मणिबन्ध मर्म का प्रमाण होता है–
(a) 2 अंगुल (b) 1 अंगुल
(c) 3 अंगुल (d) ½ अंगुल

24. Measurement of Manibandh Marma is
(a) 2 angula (b) 1 angula
(c) 3 angula (d) ½ angula

25. सुश्रुत के अनुसार जानु मर्म पर अभिघात होने पर होती है–
(a) स्तब्धता (b) खञ्जता
(c) शोष (d) पक्षाघात

25. According to Sushruta, Janu Marma Abhighata leads to
(a) Stabdhata (b) Khanjata
(c) Shosa (d) Pakshaghata

26. ब्रुनर की ग्रन्थियाँ निम्न की अवश्लेष्म कला में पायी जाती हैं
(a) आमाशय (b) ग्रहणी
(c) मध्यान्त्र (d) शेषान्त्र

26. Brunner's glands are present in the submuocosa of the following
(a) Stomach (b) Duodenum
(c) Jejunum (d) Ileum

27. – के अतिरिक्त नीचे के सभी ग्रीवा में प्राणदा तंत्रिका की शाखा हैं।
(a) ग्रसनी
(b) ऊर्ध्वस्वरयंत्र
(c) वाम पुनरावर्ती स्वरयंत्र
(d) हार्दिकी

27. All of the following are branches of the Vagus nerve in the neck except
(a) The pharyngeal
(b) The superior laryngeal
(c) The left recurrent laryngeal
(d) Cardiac

28. अंगुष्ठ की प्रथम पाणि शलाका एवं समलम्बास्थि के मध्य की सन्धि का नाम है
(a) पर्याण (b) स्थूलकाम
(c) कोर (d) सरल

28. Name of the joint between first metacarpal of thumb & trapezium is
(a) Saddle (b) Condyloid
(c) Hinge (d) Plane

29. वर्तुलरन्ध्र रोटन्डम छिद्र से निम्न तन्त्रिका गुजरती है
(a) ऊर्ध्व हनु तन्त्रिका
(b) आनन तन्त्रिका
(c) अधो हनु तन्त्रिका
(d) जिह्वा मूलिनी तन्त्रिका

29. The following nerve is transmitted through foramen of Rotundum
(a) Maxillary nerve
(b) Facial nerve
(c) Mandibular nerve
(d) Hypoglossal nerve

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

30.निम्न में से कौन सी अस्थि पाद के मध्यवर्ती अनुदैर्ध्य वक्र को बनाने में भाग नहीं लेती हैं
(a) पार्ष्णिका (b) घन
(c) कूर्चशिर (d) नौकाम

30. Which of the following bone does not take part in the formation of the medial longitudinal arch of the foot.
(a) Calcaneum (b) Cuboid
(c) Talus (d) Navicular

31."मूर्च्छाऽतिसारो वमथु पिपासा शूलो भ्रमोद्वेष्टनजृम्भदाहाः। वैवर्ण्यकम्पौ हृदये रुजश्च भवन्ति तस्यां शिरसश्च भेदः।"- सुश्रुत का यह कथन सम्बन्धित है–
(a) ग्रहणी रोग (b) हृद्रोग
(c) विसूचिका (d) आमाजीर्ण

31."मूर्च्छाऽतिसारो वमथु पिपासा शूलो भ्रमोद्वेष्टनजृम्भदाहाः। वैवर्ण्यकम्पौ हृदये रुजश्च भवन्ति तस्यां शिरसश्च भेदः।"-This statement of Sushruta is related to-
(a) Grahani Roga (b) Hridroga
(c) Visuchika (d) Aamaajirna

32."तत्पूर्वरुपं दवथुः सिरायामोऽङ्गगौरवम्" – यह कथन सम्बन्धित है–
(a) आमवात (b) शोथरोग
(c) वातरक्त (d) दाहरोग

32."तत्पूर्वरुपं दवथुः सिरायामोऽङ्गगौरवम्" – This statement is related to-
(a) Aamavata (b) Shotha roga
(c) Vatarakta (d) Daha roga

33. जीर्णे जीर्यति चाध्मानं भुक्ते स्वास्थ्यमुपैति च"- चरक का यह कथन सम्बन्धित है–
(a) परिणामशूल (b) वातिक ग्रहणी
(c) अन्नद्रवशूल (d) वातिक शूल

33. जीर्णे जीर्यति चाध्मानं भुक्ते स्वास्थ्यमुपैति च"- This statement of Charaka is related to-
(a)Parinamashula (b)Vatika Grahani
(c)Annadravashula (d)Vatika shula

34."तत्र, आदिबलप्रवृत्ता ये शुक्रशोणितदोषान्वयाः कुष्ठार्शः प्रमृतयः"- सुश्रुत के इस कथन में डल्हण के अनुसार "प्रमृतयः" शब्द में सबसे उपयुक्त व्याधियों का अन्तर्भाव हो सकता है।
(a) तमक श्वास एवं क्षय
(b) तमक श्वास एवं मेह
(c) मेह एवं क्षय
(d) तमक श्वास एवं अश्मरी

34."तत्र, आदिबलप्रवृत्ता ये शुक्रशोणितदोषान्वयाः कुष्ठार्शः प्रमृतयः"- In this statement of Sushruta the most appropriate diseases that may be included under the word "प्रमृतयः" according to Dalhana
(a) Tamaka Shvasa & Kshaya
(b) Tamaka Shvasa & Meha
(c) Meha & Kshaya
(d) Tamaka Shvasa & Ashmari

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

35. सुश्रुत के अनुसार षट् क्रियाकाल के किस अवस्था में पित्त द्वारा परिदाह लक्षण उत्पन्न होता है?
(a) प्रकोपावस्था (b) संचयावस्था
(c) प्रकोप एवं प्रसरावस्था
(d) स्थानसंश्रयावस्था

35. According to Sushruta "Paridaha" as a symptom due to Pitta manifested in which avastha during satkriyakala
(a) Prakopavastha (b) Sanchayavastha
(c) Prakopa & Prasaravastha
(d) Sthanasamshrayavastha

36. हाइपोटेंसन, डी. आई. सी. एवं मेटाबॉलिक बाधाएँ द्वारा निर्मित वैद्यकीय त्रय किसमें होते हैं?
(a) हाइपोथाइरोयडिजम
(b) डायबेटिस मेलिटस
(c) सेप्टिक शॉक
(d) न्यूमोनिया

36. Hypotension, DIC and Metabolic disturbances constitute the clinical triad of
(a) Hypothyroidism
(b) Diabetes Mellitus
(c) Septic Shock
(d) Pneumonia

37. किसके कारण मलेरिआ होने पर मुख्य उपद्रव के रुप में ब्लैक वाटर फिवर होता है–
(a)प्लैसमोडियम मलेरिइ
(b)प्लैसमोडियम वाइवाक्स
(c)प्लैसमोडियम फैल्सिपैरम
(d)प्लैसमोडियम ऑवेल

37. Black Water Fever is an important complication that occurs in the course of Malaria due to-
(a) Plasmodium malariae
(b) Plasmosdium vivax
(c) Plasmodium falciparum
(d) Plasmodium ovale

38.निम्नलिखित से कौन सा नेफ्रोटिक सिन्ड्रोम के लक्षण नही है
(a) हाइपोलिपिडिमिया
(b) मूत्र में प्रोटिन की मात्रा प्रतिदिन 3.5 ग्रा से अधिक
(c) लिपिड्यूरिया (d) हाइपोआल्ब्यूमिनेमिया

38. Which of the following is not a feature of Nephrotic Syndrome
(a) Hypolipidemia
(b) Proteinuria more than 3.5 Gm/day
(c) Lipiduria
(d) Hypoalbuminemia

39. एरिथ्रोब्लैस्टोसिस फिटैलिस होता है जब–
(a) माता की आर एच पॉजिटिव एवं भ्रूण के आर एच निगेटिव
(b) माता की आर एच निगेटिव एवं भ्रूण के आर एच निगेटिव
(c) पिता का आर एच निगेटिव एवं भ्रूण के आर एच पॉजिटिव
(d) माता की आर एच निगेटिव एवं भ्रूण के आर एच पॉजिटिव

39. Erythroblastosis Fetalis occurs when
(a) Mother is Rh+ve & Fetus is Rh–ve
(b) Mother is Rh–ve & Fetus is Rh –ve
(c) Father is Rh –ve & Fetus is Rh +ve
(d) Mother is Rh –ve & Fetus is Rh +ve

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

40.पेरिफरल् रक्त स्मिअर में रेटिक्युलोसाइट की संख्या बढ़ना निम्नलिखित किस दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है (a) लौह हीनता ऐनीमिया (b) फॉलिक एसिड् हीनता ऐनीमिया (c) हेमोलाइटिक् ऐनीमिया (d) तीव्र रक्त क्षय	40.An increased Reticulocyte count in Peripheral Blood Smear is a significant indicator towards. (a) Iron deficiency anemia (b) Folic acid deficiency anemia (c) Hemolytic anemia (d) Acute blood loss
41.'अल्नर डिविएशन आफ फिंगर्स' एवं 'स्वान–नेक' विकृति ....में देखा जाता हैं । (a) गौटी आर्थ्राइटिस (b)रूमटाइड आर्थ्राइटिस (c) डिजनरेटिव आर्थ्राइटिस (d) डुपुय्ट्रेन कन्ट्रैक्चर	41."Ulnar deviation of the fingers" and "swan-neck" deformity is seen in- (a) Gouty Arthritis (b) Rheumatoid Arthritis (c) Degenerative Arthritis (d) Dupuytren Contracture
42.'अबस्ट्रक्टिव लिवर डिसीज' में टोटल कोलेस्ट्राल .... है (a) बढ़ता (b) घटता (c) संदिग्ध (d) कोई संबध नही	42.In Obstructive liver disease total cholesterol is (a) Increased (b) Decreased (c) Ambiguous (d) No relation
43. सीरम बिलुरुबिन का कुल राशि .... हैं। (a) 1.2–2.2 mg/dL (b) 0.2–1.2 mg/dL (c) 0.2–3.2 mg/dL (d) 0.1–0.8 mg/dL	43. Total serum bilirubin value is (a) 1.2–2.2 mg/dL (b) 0.2–1.2 mg/dL (c) 0.2–3.2 mg/dL (d) 0.1–0.8 mg/dL
44. एरिसिपेल्स जो ऊपरी डेर्मिस एवं सूपरफीझ्यिल लिंफाटिक्स का जीवाणु संक्रमण है. उसका कारण हैं। (a) बीटा–हेमोलैटिक स्ट्रोप्टोकोकै (b) एरिसिपेलोथ्रिक्स रुसियोपैथी (c) साल्मोनेल्ला टेफिमूरियम् (d) सार्कोप्टेस् स्काबि	44. Erysipelas, a bacterial infection of the upper dermis and superficial lymphatics, is due to (a) Beta-Hemolytic Streptococci (b) Erysipelothrix rhusiopathiae (c) Salmonella typhimurium (d) Sarcoptes scabiei
45. आचार्य डल्हण के अनुसार "सर्वांग गत रक्त दुष्टि" में ...... चिकित्सा करना हैं। (a) जलौकावचारण (b) पित्तहर चिकित्सा (c) प्रच्छान चिकित्सा (d) सिराव्यध	45.According to Acharya Dalhana, "Sarvanga gata rakta dusti" is to be treated with (a) Jalaukaavacharana (b) Pittahara Chikitsa (c) Prachchhana Chikitsa (d) Siraavyadha

8

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

46.आचार्य वाग्भट्ट के अनुसार "लालास्राव, दंतकटकटायन" नैदानिक अवस्थाओं में नस्य ..... में देना हैं।
(a) रात्रि (b) पूर्वाह्ण
(c) मध्याह्न (d) अपराह्ण

47. आचार्य सुश्रुत के अनुसार वैद्य निमित्तज वस्ति व्यापदों का संख्या ..... हैं।
(a) 11 (b) 15
(c) 44 (d) 2

48. वमन वेग परीक्षा में जघन्य वेग संख्या हैं।
(a) 2 (b) 4
(c) 6 (d) 8

49. बीजोपघातज क्लैब्य – हैं ।
(a) सुख साध्य
(b) असाध्य
(c) कृछ साध्य
(d) कोई नहीं

50.'पिप्पली वर्धमान रसायन' को – में समूहबद्ध किया जा यकता हैं ।
(a) काम्य रसायन
(b) नैमित्तिक रसायन
(c) अजास्रिक रसायन
(d) कोई नहीं

51.आयुर्वेद साररसंग्रह के अनसार मूली (मूलक) क्षार ..... में प्रयोग किया हैं।
(a) कामला
(b) अश्मरी
(c) दोनों में
(d) कोई नहीं

46. According to Acharya Vagbhata, in clinical conditions "Lalasrava, Danta katakatayana". Nasya is to be administered during.
(a) Ratri (b) Purvahna
(c) Madhyahna (d) Aparahna

47. According to Acharya Susruta, number of vaidya nimittaja vasti vyapats is
(a) 11 (b) 15
(c) 44 (d) 2

48. In Vamana vega pareeksha number of Jaghanya vega is
(a) 2 (b) 4
(c) 6 (d) 8

49. Beejopaghataja Klaibya is
(a) Sukha Sadhya
(b) Asadhya
(c) Khruchchra Sadhya
(d) None of the above

50. "Pippali vardhamana Rasayana" can be grouped in
(a) Kamya Rasayana
(b) Naimittika Rasayana
(c) Ajasrika Rasayana
(d) None

51. According to Ayurveda Sara sangraha 'Muli (Mulaka) Kshara' is indicated in-
(a) Kamala
(b) Ashmari
(c) Both of the above
(d) None

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

52. श्वास सम्बन्धि विकारों में उपयुक्त औषधी को पहचानिए
(a) त्रिवंग भस्म
(b) मण्डूर भस्म
(c) शंख भस्म
(d) शृंग भस्म

52. Identify the drug used in Respiratory disorders
(a) Trivanga Bhasma
(b) Mandura Bhasma
(c) Shankha Bhasma
(d) Shringa Bhasma

53. बाह्य प्रयोग के लिए अवल्गुज को – में प्रयोग किया हैं ।
(a) श्वेत प्रदर (b) शीत पित्त
(c) अतिसार (d) श्वित्र

53. When used externally, Avalguja is indicated in
(a) Shweta pradara (b) Sheetapitta
(c) Atisara (d) Shwitra

54. विरेचन से ऊर्ध्व गत रक्तपित्त का चिकित्सा करना हैं–आचार्य चक्रपाणि के अनुसार यह – हैं ।
(a) विकार अनुत्पत्तिकर चिकित्सा
(b) रसायन चिकित्सा
(c) व्याधि प्रत्यानीक चिकित्सा
(d) उपद्रव चिकित्सा

54. "Urddhva gata Rakta pitta is to be treated with virechana". According to Acharya Chakrapani it is-
(a) Vikara anutpattikara Chikitsa
(b) Rasayana chikitsa
(c) Vyadhi Pratyaneeka Chikitsa
(d) Upadrava Chikitsa

55. अंस संधि च्यूत में, कौन सा बन्ध प्रयोग करते हैं –
(a) कोष बन्ध
(b) स्वस्तिक बन्ध
(c) स्थगिका बन्ध
(d) गोफण बन्ध

55. In dislocation of shoulder joint, which type of bandage is applied-
(a) Kosha bandha
(b) Swastika Bandha
(c) Sthagika Bandh
(d) Gophan Bandha

56. तृतीयक विषम ज्वर के संदर्भ में "पृष्टग्राही" – दोषों का दूषण से होता हैं ।
(a) कफ – पित्त (b) वात – कफ
(c) वात – पित्त (d) त्रिदोष

56. In reference to Truteeyaka Vishama Jvara "Prushta grahi" is due to vitiation of.
(a) Kapha – Pitta (b) Vata–Kapha
(c) Vata – Pitta (d) Tridosha

57. "अभ्यंगः कटुतैलेन सेकश्चोष्णेनवारिना" व्याधि का चिकित्सा सूत्र हैं ।
(a) श्वेत प्रदर (b) शीतपित्त
(c) श्लीपद (d) स्थौल्य

57. "अभ्यंगः कटुतैलेन सेकश्चोश्णेनवारिना" is the principle of treatment of-
(a) Swetapradara (b) Seetapitta
(c) Sleepada (d) Sthaulya

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

58. 'प्रदरान्तक लौह'–व्याधि में सूचित किया हैं
(a) पाण्डु (b) परिणामशूल
(c) पानाजीर्ण (d) प्रमेह

58. 'Pradarantaka lauha' is indicated in
(a) Pandu (b) Parinamashula
(c) paanaajeerna (d) Prameha

59. 'घृतमण्डलाभो' लक्षण है –
(a) पित्त–श्लेष्मज व्रण
(b) वात–पित्ताज व्रण का
(c) पित्त–शोणितज व्रण का
(d) श्लेष्म–शोणितज व्रण का

59. "Ghritamandlabho" is the feature of
(a) Pitta- Shleshmaj Vrana
(b) Vata- Pittaj Vrana
(c) Pitta- Shonitaj Vrana
(d) Shleshma- Shonitaj Vrana

60. बच्चों में 'इण्ड–स्टेज रीनल डिजीज [ESRD] की आप्टिमल चिकित्सा है –
(a) पेरीटोनिययल डायलिसिस
(b) जीवित सम्बन्धित दाता [LRD-RT] से प्राप्त एर्ली रीनल ट्रांसप्लाण्टेशन [RT]
(c) कार्टिकोस्टिरायड का प्रयोग
(d) उपर्युक्त कोई नहीं

60. Optimal treatment for children with end-stage renal disease (ESRD) is -.
(a) Peritoneal dialysis
(b) Early renal transplantation (RT) from a living related donor (LRD-RT)
(c) Use of corticosteroid
(d) None of the above

61. निम्न में किस रोग में लक्षण जैसे–श्वास, कास, अग्निसाद, वमन, भ्रम एवं कोष्ठ वृद्धि मिलते हैं ।
(a) अग्निमांद्य (b)कफज कास
(c) फक्क (d) पारिगर्भिक

61. Which of the following disease has the features like- dyspnoea, cough, suppression of Agni, vomiting, giddiness and abdominal distension
(a) Agnimandya (b) Kaphaja Kasa
(c) Phakka (d) Parigarbhika

62. 'वातेनध्मापिता' एवं 'सरूजा' लक्षण होते हैं
(a) नाभिशोथ (b) नाभिव्रण
(c) उन्नत–नाभि (d) नाभितुण्डि

62. 'वातेनध्मापिता' and 'सरूजा' are the features of-
(a) Nabhishotha (b) Nabhivrana
(c) Unnata-Nabhi (d) Nabhitundi

63. आयुर्वेद के अनुसार, निम्न में कौन सा नबजात शिशु के शरीर से 'उल्ब' परिमार्जन के लिए प्रयोग करना चाहिये ।
(a) सर्पि एवं घृत
(b) सर्पि एवं सैन्धव लवण
(c) सर्पि, वचा एवं सैन्धव लवण
(d) बलादि तैल

63. According to Ayurveda, which of the following should be used to remove the 'Ulba' from the body of the newborn child.-
(a) Sarpi and Ghrita
(b) Sarpi and Saindhava Lavana
(c) Sarpi, Vacha and Saindhava Lavana
(d) Baladi Taila

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

64. निम्न में कौन सा रोग क्षीरप में लेहन कर्म के लिए योग्य नहीं है ।
(a) कामला (b) अनिद्रा
(c) अल्पमूत्र (d) कार्श्यता

64. Which of the following disease is not the indication for the electuaries in infants.-
(a) Jaundice (b) Insomnia
(c) Oliguria (d) Emaciation

65. काश्यप संहिता के अनुसार, जातमात्र में औषध की कितनी मात्रा मधु एव सर्पि के साथ देनी चाहिये।
(a) एक आमलक की मात्रा के बराबर
(b) दो कोल के बराबर
(c) एक विडंग के बराबर
(d) एक कोलास्थि के बराबर

65. According to Kashyapa Samhita, how much dose of drug should be given with Madhu and Sarpi in Jatamatra [Newly born child]
(a) Equal to one Amalaka
(b) Equal to two Kola
(c) Equal to one Vidanga
(d) Equal to one Kolasthi

66. स्नेहकल्प का सवीर्यतावधि है
(a) 1 वर्ष (b) 6 माह
(c) 4 माह (d) 3 माह

66. What is shelf life of Snehakalpa
(a) 1 year (b) 6 months
(c) 4 months (d) 3 months

67. संजीवनी वटी की सर्पदंश मे मात्रा होती है।
(a) 1–1 वटी (b) 2–2 वटी
(c) 3–3 वटी (d) 4–4 वटी

67. Therapeutic dose of Sanjivani Vati in Sarpa Damsha (Snake bite) is
(a) 1 – 1 Vati (b) 2 – 2 Vatis
(c) 3 – 3 Vatis (d) 4 – 4 Vatis

68. रसिभवन गुण निम्नांकित में से किसका होता है
(a) घृत का (b) धातुभस्म का
(c) काष्ठौषधियों का (d) सुधावर्ग का

68. Property of Rasibhavana is attributed to
(a) Ghrita (b) Dhatu Bhasma
(c) Kashthaushadhi (d) Sudha Varga

69. रसपोटली के स्वेदन के लिए किस यन्त्र का प्रयोग किया जाता है।
(a) दोलायन्त्र (b) गर्भयन्त्र
(c) कच्छपयन्त्र (d) डेकीयन्त्र

69. Which Yantra is used for Swedana of Rasa Pottali
(a) Dola Yantra (b) Garbha Yantra
(c) Kacchapa Yantra (d) Deki Yantra

70. चक्रबद्धरस निर्माणार्थ किस मूषा का प्रयोग किया जाता है ।
(a) मल्लमूषा (b) मूसलमूषा
(c) वृन्ताकमूषा (d) गरमूषा

70. Which Musha is used for the preparation of 'Chakra Baddha Rasa'
(a) Malla Musha (b) Musala Musha
(c) Vrintaka Musha (d) Gara Musha

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

71. रसतरंगिणी के अनुसार रसकर्पूर की औषधीय मात्रा
(a) 1/64 – 1/32 रत्ती (b) 1–2 रत्ती
(c) 1/120 –1/80रत्ती (d) 1/10–1/20 रत्ती

71. Therapeutic dose of Rasakarpura according to Rasa Tarangini is
(a) 1/64–1/32 Ratti (b) 1–2 Ratti
(c) 1/120–1/80Ratti (d) 1/10-1/20 Ratti

72. रसरत्नसमुच्चय के अनुसार आरोग्यवर्धनी वटी के निर्माण में निम्बपत्र स्वरस की भावना कितने दिन तक दी जाती है।
(a) एक दिन (b) दो दिन
(c) तीन दिन (d) पॉच दिन

72. As per Rasa Ratna Samucchaya, what is the duration of Nimba Patra Swarasa Bhavana during preparation of Arogyavardhini Vati
(a) 1 day (b) 2 days
(c) 3 days (d) 5 days

73. 'इन्फ्लुएन्जा' रोग का इन्क्यूबेशन काल है
(a)18–60 घंटे (b)18–72घंटे
(c) 6–60घंटे (d) 6–72घंटे

73. The Incubation period of "Influenza" is
(a) 18-60 Hrs (b) 18-72Hrs
(c) 6-60 Hrs (d) 6-72Hrs

74. किस दग्ध की पित्तज विद्रधि की तरह चिकित्सा करते हैं –
(a) प्लुष्ट दग्ध का (b) दुर्दग्ध का
(c) सम्यक दग्ध का (d) अतिदग्ध का

74. Which Dagdha is treated like Pittaj Vidradhi-
(a) Plooshta dagdha (b) Durdagdha
(c) Samyakdagdha (d) Atidagdha

75. 'रिटर्न टू नेचर' पुस्तक के लेखक हैं–
(a) लुई कूने (b) जॉन शील
(c) विनसेंट प्रिस्निज (d) एडोल्फ जस्ट

75. The writter of "Return to Nature" is
(a) Lui Kuhne (b) John Scheel
(c) Vinsent Priessnitz (d) Adolf Just

76. 'जल चिकित्सा' के जनक हैं –
(a) विनसेंट प्रिस्निज (b) लुई कूने
(c) एडोल्फ जस्ट (d) बेनेडिक्ट लस्ट

76. "Father of Hydrotherapy" is—
(a) Vinsent Priessnitz (b) Lui Kuhne
(c) Adolf Just (d) Benedict Lust

77. किन–किन ऋतुओं में प्रायः दधि नही खाना चाहिए –
(a)वसन्त, ग्रीष्म, शरद
(b) हेमन्त, वसन्त, शरद
(c) शिशिर, वसन्त, ग्रीष्म
(d) शिशिर, वसन्त, वर्षा

77. "Dadhi" usually avoided during which season.
(a) Vasant, Grism, Sharad
(b) Hemant, Vasant, Sharad
(c) Shishir, Vasant, Grism
(d) Shishir, Vasant, Varsha

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

78. जब अर्श कर्कश, स्थिर, पृथु और कठिन हो तो उनकी चिकित्सा करते हैं –
(a) भेषज कर्म द्वारा
(b) क्षार कर्म द्वारा
(c) अग्नि कर्म द्वारा
(d) शस्त्र द्वारा

78. If Arsha is rough, firm, thick and hard, it is well treated by
(a) Bheshaja Krama
(b) Kshar Karma
(c) Agni Karma
(d) Shastra

79. 'हृद् व्यथा' लक्षण किसमें मिलता है
(a) शुक्र वेग निग्रह
(b) शुक्र व पुरीष वेग निग्रह
(c) शुक्र व पिपासा वेग निग्रह
(d) क्षुधा व पिपासा वेग निग्रह

79. "Hrid Vyatha" is the symptom found in–
(a) Shukravega nigraha
(b) Shukra and Purish vega nigraha
(c) Shukra and Pipasa vega nigraha
(d) Kshudha and Pipasa vega nigraha

80. कङ्गुक, मुकुन्दक, प्रमोदक, काकलक, चूर्णक आदि किसके भेद हैं
(a) शालि चावल के
(b) कुधान्य के
(c) षष्ठिक चावल के
(d) वैदल के

80. Kanguka, Mukundaka, Pramodaka, Kakalka, Churnaka etc. are the types of
(a) Shali Rice
(b) Kudhanya
(c) Shasthika Rice
(d) Vaidala.

81. 'मधु वर्णम्' वर्ण है –
(a) वातज अश्मरी का
(b) पित्तज अश्मरी का
(c) कफज अश्मरी का
(d) शुक्रज अश्मरी का

81. "Madhu Varnam" is the colour of
(a) Vataj Ashmari
(b) Pittaj Ashmari
(c) Kaphaj Ashmari
(d) Shukraj Ashmari

82. उदर गुहीय अंगों,मलाशय–योनिपट, नाभि एवं वृहत् प्रगोष्ठ में इण्डोमेट्रियासिस होने की क्या विधा है
(a) पश्चगामी रजःस्राव
(b) रक्तवाहिनी सिद्धान्त
(c) सीलोमिक मेटाप्लेजिया
(d) लसिकावाहिनी सिद्धान्त

82. Endometriosis of abdominal visceras, rectovagina septum, umbilicus and labia majora is caused due to
(a) Retrograde Menstruation
(b) Vascular theory
(c) Coelomic metaplasia
(d) lymphatic theory

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

83. जायगैन्टिज्म (भीमकायत्व) का कारण क्या है ?
(a) उपास्थियों के बन्द होने के पूर्व इआसिनोफिल कोषाणुओं का एडिनोमा
(b) उपास्थियों के बन्द होने के पूर्व वेसोफिल कोषाणुओं का एडिनोमा
(c) उपास्थियों के बन्द होने के बाद इन्नासिनोफिल कोषाणुओं का एडिनोमा
(d) उपास्थियों के बन्द होने के पूर्व कोमोफोब कोषाणुओं का एडिनोमा

83. Gigantism is caused due to—
(a) Adenoma of eosinophil cells before closer of epiphysis
(b) Adenoma of basophil cells before closer of epiphysis
(c) Adenoma of eosinophil cells after closer of epiphysis
(d) Adenoma of Chromophobe Cells before closer of epiphysis

84. बन्डल की वलय प्रसव की किस अवस्था में बनती है ?
(a)प्रारम्भिक अवस्था (b)प्रथम अवस्था
(c)द्वितीय अवस्था (d)तृतीय अवस्था

84. Boundl's ring is found during which stage of labour.
(a) In early labour (b) First stage
(c) Second stage (d) Third stage

85. विष्कम्भक मूढ़गर्भान्तर सुश्रुतोक्त गतियों में किन–किन का समावेश होता है
(a) प्रथम +द्वितीय (b) द्वितीय +तृतीय
(c) षष्ठ+ सप्तम (d) सप्तम+ अष्ट

85. Vishkambhaka mudha garbha includes which gatis of mudha garbha described by sushruta.
(a) $1^{st} + 2^{nd}$ (b) $2^{nd} + 3^{rd}$
(c) $6^{th} + 7^{th}$ (d) $7^{th} + 8^{th}$

86. मूढ़गर्भान्तर गर्भ का असम्यक पथ में प्रतिपन्न होना किस संहिता में वर्णित है
(a)चरक संहिता
(b)सुश्रुत संहिता
(c)काश्यप संहिता
(d)अष्टांग संग्रह

86. Descend of foetus in abnormal maternal passage as a cause of murhagarbha is given in which classic.
(a) Charak samhita
(b) Sushruta Samhita
(c) Kashyap samhita
(d) Astang Sangraha

87. प्रसव के समय 'योनि–प्रसवण' किस संहिताकार ने नहीं लिखा है
(a)चरक
(b)सुश्रुत
(c)काश्यप
(d)वाग्भट

87. Which author has not described discharges per vaginum during labour.
(a) Charak
(b) Sushrut
(c) Kashyap
(d) Vagbhat

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

88. गर्भ में कितने महाभूत कितने स्रोतों से पहुंचते हैं
(a) पॉच महाभूत चार स्रोतों से
(b) चार महाभूत चार स्रोतों से
(c) चार महाभूत पॉच स्रोतों से
(d) पॉच महाभूत पॉच स्रोतों से

88. How many Mahabhutas from how many sources reach garbha.
(a) 5Mahabhutas from 4 sources
(b) 4Mahabhutas from 4 sources
(c) 4Mahabhuta from 5 sources
(d) 5Mahabhutas and 5 sources

89. अष्टांग हृदय मतानुसार वीर्यवान पुत्र की उत्पत्ति के लिए किन–किन घटकों की शुद्धता आवश्यक है
(a)गर्भाशय, मार्ग, ऋतु, शुक्र, अनिल, हृदि
(b)गर्भाशय, मार्ग, अम्बु, रक्त, शुक्र एवं हृदि
(c)गर्भाशय, मार्ग, रक्त, शुक्र, अनिल एवं हृदि
(d)गर्भाशय, अम्बु, ऋतु, बीज, अनिल एवं हृदि

89. According to Astang Hridaya for birth of child with good virya (healthy /normal/pure state) which components are essential.
(a) Uterus, passage, ritu, shukra, anil and hridi
(b) Uterus, passage, ambu, rakta, shukra and hridi.
(c) Uterus, passage, rakta, shukra, anil and hridi.
(d) Uterus, ambu, ritu, bija, anil and hridi.

90. सुश्रुत मतानुसार स्त्री शरीर के किन–किन अंगों की 'रज' के शनैः–शनैः उपचीयमान होने से वृद्धि होती है.
(a) स्तन, गर्भाशय एवं योनि
(b) स्तन, गर्भाशय एवं डिम्बफल
(c) स्तन, योनि एवं रजःस्राव
(d) गर्भाशय, योनि एवं रजःस्राव

90. According to Sushruta due to gradual accumulation of "Raja" which body parts of female are developed gradually.
(a) Breast, Uterus, Yoni.
(b) Breast, Uterus and Dimbphal
(c) Breast, Yoni and Menstrual blood
(d) Uterus, Yoni and Menstrual blood

91. सम्भोग काल के स्रावों के सम्बन्ध में 'विसर्पत्यार्तवं नार्यास्तथा पुंसां समागमे' किस संहिताकार ने लिखा है
(a)चरक (b)सुश्रुत
(c)भेल (d)हारीत

91. Who has described "विसर्पत्यार्तवं नार्यास्तथा पुंसां समागमे" in relation to female coital discharges
(a) Charaka (b) Sushruta
(c) Bhela (d) Harita

92. दो प्रकार के अम्लपञ्चक——में लिखे हैं।
(a) राजनिघण्टु
(b) भेल संहिता
(c)सौश्रुत निघण्टु
(d)पर्यायरत्नमाला

92. Two types of Amla-panchaka is written in
(a) Rājanighantu (b) Bhela Samhita
(c) Sausruta nighantu
(d) Paryayaratnamala

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

93. कौन हाई एफिकेसी डाइयूरेटिक ड्रग है
(a) ट्रायमटेरिन (b) थीयाजाइड
(c) स्पीरोनोलेक्टोन (d) बूमेटामाइड

93. Which one is high efficacy diuretics drug
(a) Triamterene (b) Thiazides
(c) Spironolactone (d) Bumetamide

94. लिथियम साल्ट है।
(a) एन्टीसाइकोटिक्स
(b) ट्राईसाइक्लिक एन्टीडिप्रसेन्टस
(c) मेनाएमीन आक्सीडेज इनहिबिटर्स
(d) मुड स्टेबिलाईजर्स

94. Lithium Salt is–
(a) Antipsychotics
(b) Tricyclic 17riter17ressants
(c) Manoamine oxidase inhibitors
(d) Mood stabilizers

95. कौन सी ड्रग बैक्टिरीया के प्रोटीन सिन्थेसिस को नही होने देती
(a) मैकोलिड्स (b) सल्फोनामाइड
(c) पेनिसिलिन्स (d) सिफेलोस्पोरिन्स

95. Which one of the drugs is inhibition of protein synthesis of Bacteria
(a) Macrolides (b) Sulphonamides
(c) Penicillins (d) Cephalosporins

96. एक्टिव सबस्टेन्स का और उनके मेटाबोलाइट का जीवित प्राणियों में अध्ययन कहलाता है –
(a) फार्माकोडाइनेमिक्स
(b) फार्माकोथेरेप्यूटिक्स
(c) फार्माकोकाइनेटिक्स
(d) क्लिनिकल फार्माकोलाजी

96. The study of fate of active substance and its metabolite within the organism is known as
(a) Pharmacodynamics
(b) Pharmacotherapeutics
(c) Pharmacokinetics
(d) Clinical Pharmacology

97. कृष्ण सर्प का विष, आशीविष के समान हो जाता है –
(a) बाल्यावस्था में (b) तरुणावस्था में
(c) मध्यम अवस्था में (d) वृद्धावस्था में

97. The poison of Krisna-sarpa becomes Ashivisha in-
(a) Balyawastha (b) Tarunawastha
(c) Madhyamawastha
(d) Bridhawastha

98. वेदनाध्याय का वर्णन किसमें है –
(a) भाव प्रकाश (b) सुश्रुत संहिता
(c) काश्यप संहिता (d) भेल संहिता

98. Vedanadhyay is described in
(a) Bhavprakash (b) Sushruta samhita
(c) Kashyap Samhita (d) Bhel samhita

99. सुश्रुत का काकोल्यादिगण अष्टांगसंग्रह में पढ़ा गया है –
(a) परूषकादिगण (b) पद्मकादिगण
(c) गुडूच्यादिगण (d) असनादिगण

99. Kakolyadigana of Sushruta is read in Ashtanga sangraha as.
(a) Parusakadigana (b) Padmakadigana
(c) Guduchyadigana (d) Asanadigana

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

tics

100. मूत्रविरेचनीय–महाकषाय में किसका उल्लेख नहीं है ?
(a) दर्भ का
(b) कुश का
(c) काश का
(d) शर का

100. Which one is not mentioned in Mutravirechaniya-mahakashaya.
(a) Darbha
(b) Kusha
(c) Kasha
(d) Shara

101. चरक के पंचाशन्महाकषाय में स्थापन–महाकषायों की संख्या है –
(a) 3 (b) 5
(c) 7 (d) 8

101. In "पंचाशन्महाकषाय" of Charaka numbers of Sthapana-mahakashayas are.
(a) 3 (b) 5
(c) 7 (d) 8

102. डल्हण के अनुसार 'वायोः प्रकृतिभूतस्य व्यापन्नस्य च लक्षणम् । स्थानं कर्म च रोगांश्च वदस्व वदतांवर।।' उदाहरण है
(a) प्रतिसंस्कर्तृसूत्र का
(b) एकीयसूत्र का
(c) शिष्यसूत्र का
(d) गुरुसूत्र का

102. According to Dalhana वायोः प्रकृतिभूतस्य व्यापन्नस्य च लक्षणम् । स्थानं कर्म च रोगांश्च वदस्व वदतांवर। " is the example of-
(a) Pratisanskartrisutra
(b) Ekiyasutra
(c) Shishyasutra
(d) Gurusutra

103. भक्ति,शील, स्मृति, त्याग, बुद्धि, बल– ये छः नही रहते हैं तो उस रोगी की मृत्यु होनी होती है –
(a) 4 महिने में
(b) 6 महिने में
(c) 8 महिने मे
(d) 10 महिने में

103. Bhakti, Shila, Smriti, Tyaga, Buddhi, Bala, if these six go away from the patient who would be die with in-
(a) 4 months
(b) 6 months
(c) 8 months
(d) 10 months

104. 'नमस्करी' नामक वनस्पति का समावेश है
(a) चरकसंहिता में
(b) सुश्रुतसंहिता में
(c) केवल अष्टांगसंग्रह में
(d) अष्टांगसंग्रह +अष्टांगहृदय में

104. The plant named "Namaskari" is included in.
(a) Charak samhita
(b) Sushruta Samhita
(c) Only Ashtanga Sangraha
(d) Ashtanga-sangraha+Ashtanga hridaya

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

105. औषधियों की शक्ति को अल्प से अधिक एवं अधिक से अल्प परिवर्तित करने के लिए चरक द्वारा किस वर्ग का वर्णन किया गया है ।
(a) संयोग, विश्लेष, काल, संस्कार, युक्ति
(b) ऋतु, देश, परिमाण, पर, अपर
(c) संयोग, पर, परिमाण, देश, काल
(d) विश्लेष, अभ्यास, पृथक्त्व, युक्ति, अपर

105. To modify the potency of drugs from lower to higher and higher to lower, which group is described by Charaka.
(a) Samyoga, Vishlesh, Kala, Sanskar, Yukti
(b) Ritu, Desh, Parimana, Para,Apara
(c) Samyoga, Para, Parimana, Desh, Kala
(d) Vishlesh, Abhyas, Prithktva, Yukti, Apara

106. ग्रहणी रोग चिकित्सा में 'ताम्रयोग' का सर्व प्रथम निर्देश किया गया है –
(a)वृन्द के द्वारा (b)चक्रपाणिदत्त के द्वारा
(c)शार्ङ्गधर के द्वारा (d)भाव मिश्र के द्वारा

106. "Tamrayoga" in Grahani-chikitsa is first indicated by.
(a) Vrind (b)Chakrapani datta
(c) Sharangdhar (d) Bhavmishra

107. चरकसंहिता मे पुष्यानुग चूर्ण का प्रथम निर्देश है –
(a) योनिदोष में (b) रजोदोष मे
(c) अर्श में (d) असृग्दर में

107. In charak samhita first indication of Pushyanuga churna is in.
(a) Yonidosha (b) Rajodosha
(c) Arsha (d) Asrigdara

108. द्रव्यगुण के लिए 'गुणोपवर्णन शास्त्र' शब्द का प्रयोग किया गया है –
(a)डल्हण के द्वारा
(b)अरुणदत्त के द्वारा
(c)हेमाद्रि के द्वारा
(d)गयदास के द्वारा

108. "Gunopavarnan Shastra" Word is used for Dravyaguna by-.
(a) Dalhan
(b) Arundatta
(c) Hemadri
(d) Gayadas

109. सुश्रुतसंहिता के अनुसार गर्भ में सम्भवतः प्रथम शिर की उत्पत्ति होती है यह विचार है –
(a)शौनक का (b)कृतवीर्य का
(c)पाराशर्य का (d)मार्कण्डेय का

109. According to sushruta samhita in foetus probably head appears first is the view of-
(a) Shaunaka (b) Kritavirya
(c) Parasharya (d) Markandeya

110. कौन संस्कृत व्याख्या रसरत्नसमुच्चय पर है
(a) तत्वप्रदीपिका (b) दीपिका
(c) गुढार्थदीपिका (d) प्रकाश

110. Which one Sanskrit Commentry is on Rasaratna samuchchaya.
(a) Tatvapradipika (b) Dipika
(c) Gudharthdipika (d) Prakash

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Cent
Bhopal (M.P.)

111. चरक के अनुसार अभ्यंग के पश्चात् हिंस्रा के उष्णकल्क का प्रयोग करना चाहिए –
(a) वातज-योनिव्यापत् में
(b) पित्तज-योनिव्यापत् में
(c) कफज-योनिव्यापत् में
(d) असृजा में

111. According to charaka warm paste of Himsra should be used after massage in-
(a) Vataja-yonivyapat
(b) Pittaj-yonivyapat
(c) Kaphaj yonivyappat
(d) asrija

112. 'निदीयते निबध्यते हेत्वादिसम्बद्धो व्याधिरनेन' निदान की यह निरुक्ति दी गयी है –
(a) भट्टारहरिश्चन्द्र के द्वारा (b) जेज्जट के द्वारा
(c) चक्रपाणिदत्त के द्वारा (d) गंगाधर के द्वारा

112. 'निदीयते निबध्यते हेत्वादिसम्बद्धो व्याधिरनेन' this etymology of Nidan is given by
(a) Bhattarharishchandra (b) Jejjata
(c) Chakrapanidatta (d) Gangadhara

113. सुश्रुतसंहिता में 'समंगा' और 'योजनवल्ली' को समाविष्ट किया गया है
(a) परुषकादि-गण में
(b) प्रियङ्ग्वादि-गण में
(c) सारिवादि-गण में
(d) अम्बष्ठादि-गण में

113. In Sushruta-samhita "Samanga" and "Yojanavalli" both are included in
(a) Parushakadi-gana
(b) Priyangvadi –gana
(c) Sarivadi –gana
(d) Ambasthadi –gana

114. स्रोतोरोध, रक्तादि धातुओं का क्षय, धात्वग्नियों का अपचय उत्पन्न करते हैं
(a) ग्रहणी-रोग (b) क्षयज-कास
(c) राजयक्ष्मा (d) रक्तपित्त

114. Srotorodha, kshaya of raktadi-dhatus, apachaya of Dhatvagnis produce—
(a) Grahani-roga (b) Kshayaja –Kasa
(c) Rajayakshma (d) Raktapitta

115. 'द्रव्य–प्रधान, गुण–प्रधान, वीर्य–प्रधान उदाहरण है –
(a) सर्वतन्त्र-सिद्धान्त
(b) प्रतितन्त्र -सिद्धान्त
(c) अधिकरण-सिद्धान्त
(d) अभ्युपगम-सिद्धान्त

115. Dravya- pradhanam, guna-pradhanam, Virya-pradhanam'' are the example of---
(a) Sarvatantra-siddhanta
(b) Pratitantra-siddhanta
(c) Adhikarana-Siddhanta
(d) Abhyupagama –siddhanta

116. पुरुष छः धातुओं के समूह से उत्पन्न हुआ है यह दृष्टिकोण है –
(a) भद्रकाप्य का (b) हिरण्याक्ष का
(c) कांकायन का (d) भिक्षुरात्रेय

116. Person has originated from the aggregration of six dhatus is the view of-
(a) Bhadrakapya (b) Hiranyaksha
(c) Kankayana (d) Bhikshuratreya

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

117. 'अग्निमूलं बलं पुंसां बलमूलं हि जीवितम्' सर्वप्रथम कहा गया है–
(a) चरक के द्वारा (b) सुश्रुत के द्वारा
(c) वृन्द के द्वारा (d) चक्रपाणिदत्त के द्वारा

117. "अग्निमूलं बलं पुंसां बलमूलं हि जीवितम्" is first said by–
(a) Charak (b) sushruta
(c) Vrinda (d) Chakrapanidatta

118. भैषज्यरत्नावली में कौन पंचमूल सूतिकादशमूल का घटक है ?
(a) लघु-पंचमूल
(b) बृहत्-पंचमूल
(c) जीवन पंचमूल
(d) वल्ली-पंचमूल

118. In 'Bhaishajyaratnavali' which one panchmula is ingredient of Sutikadashamula.
(a) Laghu-panchmula
(b) Brihat-panchmula
(c) Jivan –panchmula
(d) Valli-panchmula

119. अपनी व्याख्या में 'राजनिघण्टु' के नाम को समाविष्ट किया है –
(a) चक्रपाणिदत्त ने (b) डल्हण ने
(c) इन्दु ने (d) उपर्युक्त में कोई नही

119. Name of "Rajanighantu "is included in his commentary.
(a) Chakrapani dutta (b) Dalhana
(c) Indu
(d) None of the above

120. 'यावन्न प्रकृतिस्थः स्याद्दोषतः प्राणतस्तथा' कथन है –
(a) चरक का (b) सुश्रुत का
(c) उपर्युक्त दोनों का (d) उपर्युक्त में कोई नही

120. "यावन्न प्रकृतिस्थः स्याद्दोषतः प्राणतस्तथा" is the statement of
(a) Charaka (b) Sushruta
(c) Both of the above
(d) None of the above

121. चरक के 'स्थिरादि' में कितने द्रव्यों का समावेश है –
(a) 5 (b) 10
(c) 11 (d) 21

121. How many dravyas are included in " "Sthiradi" of Charaka
(a) 5 (b) 10
(c) 11 (d) 21

122. चरक ने 'योगक्षेम' के प्रयोग का निर्देश किया है –
(a) साहसजन्य-शोष में
(b) सन्धारणजन्य-शोष में
(c) क्षयजन्य-शोष में
(d) विषमाशनजन्य-शोष में

122. Charak has indicated the use of "Yogakshema" in—
(a) Sahasjanya-Shosha
(b) Sandharanajanya –shosha
(c) Kshayajanya shosha.
(d) Vishamashanjanya –Shosha

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

123. एक दिन में मनुष्य का वृक्क कितने लीटर रक्त को छानती है ।
(a) 1500 लीटर से अधिक
(b) 1600 लीटर से अधिक
(c) 1700 लीटर से अधिक
(d) 1800 लीटर से अधिक

123. How many litres of blood are filtered by human Kidney in one day.
(a) More than 1500 ltr.
(b) More than 1600 ltr
(c) More than 1700 ltr.
(d) More than 1800 ltr

124. हिपेटाइटिस B के विषाणु का नाम व संचय काल है ।
(a) इन्टेरो वायरस (2-4 weeks)
(b) फ्लेवि वायरस (2-26 weeks)
(c) कैलसि वायरस (3-8 weeks)
(d) हेपेडना वायरस(4-20 weeks)

124. The name and incubation period of Hepatitis B virus is.
(a) Entero-virus (2-4 week)
(b) Flavi-virus (2-26 week)
(c) Calci-virus (3-8 weeks)
(d) Hepedna-virus (4-20 weeks)

125. वयस्क शरीर में सामान्यतः यकृत का वजन होता है ।
(a) 1200-1400 ग्राम (b) 1400-1600 ग्राम
(c) 1600-1800 ग्राम (d) 1000-1200 ग्राम

125. The normal weight of liver in adult body is.
(a) 1200-1400gm (b) 1400-1600gm
(c) 1600-1800gm (d) 1000-1200 gm

126. पैरासिटामाल अधिक मात्रा में नष्ट करता है ।
(a) यकृत (b) प्लीहा
(c) किडनी (d) हृदय

126. Paracetamol in over dose causes damage to
(a) Liver (b) Spleen
(c) Kidney (d) Heart

127. बालक के शरीर से मूत्र की सी गन्ध आती है तो वह पीड़ित होता है इस ग्रह से।
(a) मुखमण्डिका (b) नेगमेष
(c) अन्धपूतना (d) रेवती

127. If odour of the body of child is similar to urine then he is seized by this graha
(a) Mukhmandika (b) Negmesha
(c) Andhaputna (d) Revati

128. दीपिका तेल का प्रयोग करते है ।
(a) अक्षि रोग (b) कर्ण रोग
(c) नस्यकर्म (d) दन्तशूल

128. Use of Dipika oil is used in-
(a) Akshi roga (b) Karna roga
(c) Nasya karma (d) Dantshula

129. किस नेत्र रोग में जाती पुष्पांजन का प्रयोग करते है
(a) अजकाजात में (b) नेत्रपाक में
(c) अर्जुन (d) सव्रण शुक्र

129. Jatipuspanjan is used in which eye disease
(a) Ajakajat (b) Netrapaka
(c) Arjuna (d) Savrana Shukra

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

130. कोष्ठ में स्नायु की संख्या है ।
(a) 230 (b) 330
(c) 530 (d) 600

131. सुश्रुत के अनुसार यह आशय नही है ।
(a) अग्नाशय (b) रक्ताशय
(c) मूत्राशय (d) वाताशय

132. सुश्रुतमतानुसार इस त्वचा में भगन्दर, विद्रधि और अर्श होते है ।
(a) मांसधरा त्वचा में
(b) रोहिणी त्वचा में
(c) वेदिनी त्वचा में
(d) ताम्र त्वचा में

133. रुधिर के मल से उत्पन्न होता है ।
(a) यकृत (b) प्लीहा
(c) क्लोम (d) उण्डुक

134. 'पानीय क्षार' का निषेध है –
(a) गुल्म में (b) उदर रोग में
(c) अश्मरी में (d) रक्त–पित्त में

135. नेत्र में मण्डल, सन्धियाँ और पटल यथाक्रम से होते है ।
(a) 4,5,5 (b) 5,6,6
(c) 6,7,7 (d) 7,8,8

136. चित्रक, खस और हींगु से बनाया गया घृत प्रयोग करना चाहिये ।
(a) पुरीष ग्रन्थि शुक्र चिकित्सा
(b) ग्रन्थिभूत शुक्र चिकित्सा
(c) कुणप ग्रन्थि शुक्र चिकित्सा
(d) पूयदोषयुक्त शुक्र चिकित्सा

130. The number of shayu in Koshtha is-
(a) 230 (b) 330
(c) 530 (d) 600

131. According to Sushruta, this is not counted as an Ashaya (Viscera).
(a) Agnashaya (b) Raktashaya
(c) Mutrashaya (d) Vatashaya

132. According to Sushruta, this Tvacha is the seat of fistula, abscess and piles
(a) Mansdhara Tvacha
(b) Rohini Tvacha
(c) Vedini Tvacha
(d) Tamra Tvacha

133. Which one is emerge from mala of blood
(a) Yakrita (b) Pleeha
(c) Kloma (d) Unduka

134. "Paniya Kshara" is contraindicated in-
(a) Gulma (b) Udara Roga
(c) Ashmari (d) Rakta-Pitta

135. The mandal, sandhis and patal appear systematically in the eye are-
(a) 4,5,5 (b) 5,6,6
(c) 6,7,7 (d) 7,8,8

136. The ghrit processed with Chitraka Khas and Hingu should be used in the treatment of
(a) Purish granthi shukra Chikitsa
(b) Granthibhuta shukra chikitsa
(c) Kunapa granthi shukra chikitsa
(d) Puyadoshayukta shukra chikitsa

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

137. कफ तथा वायु विवृद्ध होकर गले में श्वास तथा वेदनायुक्त शोथ उत्पन्न करते हैं, इस रोग को कहते है।
(a) वलय (b) बलास
(c) वृन्द (d) एकवृन्द

138. जिस रोग में दन्तमांस गलते हों तथा थूकने पर बार-बार खून आता है, वह व्याधि कहलाती है ।
(a) दन्त वेष्ट (b) परिदर
(c) शौषिर (d) महाशौषिर

139. अग्नि कर्म नही करना चाहिये ।
(a) चर्मकील (b) भगन्दर
(c) अर्बुद (d) अतिसार

140. सम्यदग्ध में लगाना चाहिये ।
(a) शहद+घृत
(b) घृत+यष्टीमधु
(c) यष्टीमधु+शहद
(d) घृत+आमलक

141. कुमारी का प्रयोग सर्वप्रथम है ।
(a) चरक संहिता
(b) सुश्रुत संहिता
(c) अष्टांग निघण्टु
(d) सिद्धसार निघण्टु

142. सिद्धक का वर्णन मिलता है ।
(a) चरक (b) सुश्रुत
(c) वाग्भट (d) काश्यप

143. शवच्छेद का वर्णन सर्वप्रथम मिलता है ।
(a) चरक (b) सुश्रुत
(c) काश्यप (d) उपर्युक्त सभी

137. Aggravated kapha and Vata produced painful swelling in thoat with dyspnoea. This disease is known as –
(a) Valaya (b) Balasa
(c) Vrind (d) Ekvrinda.

138. When gums get necrosed and patient spits blood frequently the disease is known as.
(a) Dantavesht (b) Paridar
(c) Shaushira (d) Mahasaushira

139. Agnikarma is not advised in.
(a) Charmkeel (b) Bhagandar
(c) Arbuda (d) Atisara

140. What should be applied in samya-dagdha.
(a) Honey + Ghrit
(b) Ghrit+ Yashtimadhu
(c) Yashtimadhu+Honey
(d) Ghrit+ Amalaka

141. Aloe vera is first time used in.
(a) Charak Samhita
(b) Shusruta Samhita
(c) Astanga Nighantu
(d) Siddhasar Nighantu.

142. The description of Sidhadka is found in
(a) Charak (b) Sushruta
(c) Vagbhata (d) Kashyap.

143. The description of dead body dissection is first time found in.
(a) Charak (b) Sushruta
(c) Kashyap (d) All of the above

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

144. चरक ने फलवर्ग का आरम्भ किया है ।
(a) खर्जूर (b) मृद्विका
(c) फल्गु (d) आम्रातक

145. अशुभ छाया है ।
(a) नाभसी (b) वायवी
(c) आग्नेयी (d) आम्भसी

146. कलिप्रिय या कलहप्रिय गर्भवती स्त्री ------रोग से युक्त सन्तान उत्पन्न करती है ।
(a) उन्मत्त (b) अपस्मार
(c) प्रमेह (d) ज्वर

147. आलसी, केवल आहार में ही लगे रहने वाले सभी प्रकार के वाह्य एवं आभ्यन्तर ज्ञान से शून्य पुरुष को ------सत्व वाला जानना चाहिये
(a) वानस्पत्य सत्व
(b) राक्षस सत्व
(c) प्रेत सत्व
(d) शाकुन सत्व

148. सिद्धान्त कितने प्रकार का है ।
(a) 2 (b) 4
(c) 6 (d) 8

149. किसके द्वारा उत्संग बन्ध कहा गया है ।
(a) चरक (b) सुश्रुत
(c) वाग्भट (d) काश्यप

150. चरकमतानुसार कास, हिचकी,श्वास और अर्श के लिए हितकर द्रव्य है ।
(a) कुल्थी (b) काकाण्डोल
(c) श्यामाक (d) उड़द

144. Charak has commenced his phalvarga from.
(a) Kharjura (b) Mridvika
(c) Phalgu (d) Aamratak.

145. Inauspicious Shade (Chhaya)is–
(a)Nabhasi (b) Vayavi
(c) Agneyee (d) Ambhasi.

146. The offspring of the pregnant woman who indulges in quarrels or fight would be–
(a) Unmatta (b) Apasmar
(c) Prameha (d) Jwar

147. The person who is Idle, indulged only in food and devoid of entire intelligence should be known as ------in psyche
(a)Vanasapatya Satva
(b) Rakshas Satva
(c) Preta Satva
(d) Shakun Satva

148. How many types of Siddhant-
(a) 2 (b) 4
(c) 6 (d) 8

149. By whom the Utasanga Knot is said
(a) Charaka (b) Sushruta
(c) Vagbhat (d) Kashyapa

150. According to Charaka, this Dravya is beneficial for Kasa, Hichaki, (Hiccuph) Shwasa and Arsha.
(a) Kulathi (b) Kakandole
(c) Shyamaka (d) Urada

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

151. काश्यप मतानुसार, किस महीने में गर्भस्थ बालक के मन में सुख-दुःख का ज्ञान होने लगता है । -
(a) तीसरे (b) चौथे
(c) पांचवे (d) छटें

151. According to Kashyap, the mind of the child inside the womb would have the knowledge of Sukha and Dukha in which month-
(a) 3rd (b) 4th
(c) 5th (d) 6th

152. काश्यप मतानुसार, शुक्र से गर्भस्थ बालक के इस धातु का निर्माण होता है ।
(a) अस्थि-मांस (b) रस-रक्त
(c) मांस-मेद (d) मांस-रस

152. According to Kashyap, these Dhatus are made up of shukra in the child inside the womb-
(a) Asthi-Mansa (b) Rasa-Rakta
(c) Mansa-Meda (d) Mansa-Rasa

153. इस सिरा में बेधन होने से ज्वर, दाह,शोथ और वेदना उत्पन्न होती है, ।
(a) कलिका (b) मर्मरिका
(c) लोहितिका (d) उपर्युक्त सभी

153. Jwara, Daha, Shoth and Vedana are produced due to the penetration in this Vein.
(a) Kalika (b) Marmarika
(c) Lohitika (d) All of above

154. इस जलौका का काटा हुआ रोगी असाध्य होता है
(a) अलगर्दा (b) इन्द्रायुधा
(c) पुण्डरीकमुखी (d) गोचन्दना

154. The patient is incurable when he is bitten by this Jalouka-
(a) Algarda (b) Indrayudha
(c) Pundaric Mukhi (d) Gochandana

155. इन रोगों में क्षार कर्म नही करना चाहिये ।
(a) रक्त पित्त (b) प्रमेह
(c) उरःक्षत (d) उपर्युक्त सभी

155. Kshar Karma is not recommended in this disease-
(a) Raktapitta (b) Prameha
(c) Urahkshat (d) All of above

156. हेमन्त, शिशिर तथा वसन्त में और शरद, ग्रीष्म और वर्षा मे ब्रण की पट्टी खोलनी चाहिये।
(a) तीसरे व दूसरे दिन
(b) दूसरे व तीसरे दिन
(c) तीसरे व चौथे दिन
(d) चौथे व पांचवे दिन

156. The bandage should be opened on which day in Hemant, shishir and vasant and Sharad, Grishma and Varsha Ritu.
(a) 3rd and 2nd day
(b) 2nd and 3rd day
(c) 3rd and 4th day
(d) 4th and 5th day

26

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

157. रस के विशेष ज्ञान में कारण है ।
(a) आकाश + वायु + अग्नि
(b) पृथ्वी+ जल + अग्नि
(c) जल + वायु + पृथ्वी
(d) आकाश + जल+ पृथ्वी

157.The causes of specific knowledge of Rasa is –
(a) Akasha + Vayu + Agni
(b) Prithvi + Jal + Agni
(c) Jal + Vayu + Prithvi
(d) Akasha + Jala + Prithvi

158. डल्हण ने सुश्रुत के कितने द्रव्यों पर टीका की है
(a) 118 (b) 218
(c) 318 (d) 418

158.How many Dravyas of Sushruta is commented by Dalhana-
(a) 118 (b) 218
(c) 318 (d) 418

159. सुश्रुत ने कितने गणों को वातहर कहा है ।
(a) 17 (b) 11
(c) 9 (d) 12

159. How many Ganas are Vatahara said by Sushruta-
(a) 17 (b) 11
(c) 9 (d) 12

160. किसके अनुसार-----दोषों के लक्षणों का ज्ञान रस के द्वारा है, –
(a) चरक (b) सुश्रुत
(c) वाग्भट (d) कपिल

160.According to whom, "The knowledge of symptom of doshas is done by Rasa" –
(a) Charaka (b) Sushruta
(c) Vagbhat (d) Kapil

161. 'पारुष्य' विकार है ।
(a) वातज (b) पित्तज
(c) कफज (d) रक्तज

161. 'Parushya' is the Vikara of-
(a) Vataja (b) Pittaj
(c) Kaphaja (d) Raktaj

162. यह हवा रूक्षता, विवर्णता तथा स्तम्भ करती है-,
(a) दक्षिण (b) पश्चिम
(c) प्रवात (d) प्राकवात

162. Rukshata, Vivarnata and Stambha are done by this air-
(a) South (b) West
(c) Pravata (d) Prakvata

163. वाग्भट ने गुल्म और वात के लिए श्रेष्ठ माना है।
(a) लशुन (b) गुग्गुलू
(c) रास्ना (d) गोखरु

163.According to Vagbhat the best drug for Gulma and Vata is-
(a) Lashuna (b) Guggulu
(c) Rasna (d) Gokharu

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

164. सिद्धार्थक घृत का प्रयोग करते है, किस रोग में -
(a) कुष्ठ (b) राजयक्ष्मा
(c) कामला (d) उन्माद

164. 'Sidhdarthaka Ghrit' is used in which disease-
(a) Kushtha (b) Rajyakshma
(c) Kamala (d) Unmad

165. 'फलत्रिकादि क्वाथ' का प्रथम बार प्रयोग पाण्डु चिकित्सा में किया है ।
(a) रविगुप्त (b) चक्रपाणि
(c) डल्हण (d) मदनपाल

165. "Phaltrikadi qwath" is first time used in the treatment of pandu-
(a) Ravigupta (b) Chakrapani
(c) Dalhan (d) Madanpal

166. सिद्धसार निघण्टू के लेखक हैं ।
(a) सिंहगुप्त (b) रविगुप्त
(c) समुद्रगुप्त (d) चन्द्रगुप्त

166. The writer of Sidhdasara Nighantu is-
(a) Singh Gupta (b) Ravi Gupta
(c) Samudra Gupta (d) Chandra Gupta

167. गुरू स्निग्ध नेत्रदोषत्रयापहम् है ।
(a) सौवीराञ्जन (b) नीलाञ्जन
(c) रसाञ्जन (d) पुष्पाञ्जन

167. गुरू स्निग्ध नेत्रदोषत्रयापहम्- is-
(a) Sauviranjan (b) Nilanjan
(c) Rasanjan (d) Pushpanjan

168. 'वीर्य संक्रान्ति' शब्द का प्रथम बार प्रयोग किया ।
(a) शिवदास सेन ने
(b) चक्रपाणि दत्त ने
(c) निश्चलकर ने
(d) हारीत ने

168. The word "Virya Samkranti" was used first time by-
(a) Shivdas Sen
(b) Chakrapani Dutta
(c) Nishchalkara
(d) Harita

169. ध्वंसक तथा विक्षेपक ये दो विकार होते है ।
(a) ज्वर में (b) राजयक्ष्मा में
(c) मद्य में (d) वातरक्त में

169. Dhvansaka and Vikshepaka these two Vikaras are present in-
(a) Jwara (b) Rajyakshma
(c) Madya (d) Vat Rakta

170. निद्रानाश, अरति, कम्प, मूत्राघात तथा बेहोशी उपद्रव है ।
(a) अतिसार (b) ग्रहणी
(c) विसूचिका (d) मधुमेह

170. Nidranash, Arati, Kampa, Mutraghat and Behoshi (uncon-sciousness) are the complication of-
(a) Atisar (b) Grahani
(c) Visuchika (d) Madhumeha

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

171. रत्नप्रभा टीका है ।
(a) चरक पर (b) सुश्रुत पर
(c) चक्रदत्त पर (d) अष्टांग हृदय पर

172. आतंक दर्पण के लेखक का नाम है ।
(a) माधव
(b) विजय रक्षित
(c) श्रीकण्ठदत्त
(d) वाचस्पति मिश्र

173. रस संख्या विषयक सम्भाषा परिषद में विदेह राज निमि ने कहा था रस होते हैं ।
(a) 5 (b) 6
(c) 7 (d) 8

174. चरकानुसार कितने प्रकार के त्वगासव है । –
(a) 4 (b) 11
(c) 10 (d) 26

175. 'भूतधात्री' निद्रा कहते हैं –
(a) मनःशरीर श्रम सम्भवा
(b) रात्रि स्वभाव प्रभवा
(c) श्लेष्म समुद्भवा
(d) तमोभवा

176. 'तद्धयभिष्यन्दरुक्षं च सूक्ष्ममुष्णं व्यवायि च' गुण है।
(a) विष (b) दही
(c) लवण (d) तेल

177. मन्द विभ्रंसा नाम है ।
(a) स्नेह की मध्यम मात्रा
(b) स्नेह की अति मात्रा
(c) स्नेह की अल्प मात्रा
(d) स्नेह की उत्तम मात्रा

171. The commentary "Ratnaprabha" is based on –
(a) Charaka (b) Sushruta
(c) Chakradatta (d) Ashtang Hriday

172. The name of the writer of "Atank Darpan" is-
(a) Madhava
(b) Vijay Rakshita
(c) Shrikant Dutta
(d) Vachashpati Mishra

173. In the "Symposium of Rasa Sankhya" the Videha Raj Nimi said that Rasa to be-
(a) 5 (b) 6
(c) 7 (d) 8

174. According to Charaka how many types of Twagasava –
(a) 4 (b) 11
(c) 10 (d) 26

175. "Bhootdhatri" sleep (Nidra) is said to be-
(a) Manah Sharir Shram Sambhava
(b) Ratri Svabhava Prabhava
(c) Sleshma Samudabhava
(d) Tamobhava

176. 'तद्धयभिष्यन्दरुक्षं च सूक्ष्ममुष्णं व्यवायि च' is the property of-
(a) Visha (b) Dahi (Curd)
(c) Lavana (d) Taila

177. Manda Vibhransa is the name of –
(a) Madhyam Matra of Sneha
(b) Ati Matra of Sneha
(c) Alpa Matra of Sneha
(d) Uttama Matra of Sneha

Shyam-Vidya
Ayurved P.G. Entrance
Exam. Coaching Centre
Bhopal (M.P.)

178. शार्ङ्गधर के मतानुसार ये रोगी अनुवासन वस्ति के अयोग्य है, –
(a) मेदोरोग (b) कुष्ठ
(c) प्रमेह (d) उपर्युक्त सभी

178. According to Sharangdhar these patients are not fit for Anuvasana Vasti-
(a) Medo roga (b) Kustha
(c) Prameha (d) All of above

179. रजोगुण, पित्त एवं वायु के संसर्ग होने से होता है
(a) मूर्च्छा (b) भ्रान्ति
(c) तन्द्रा (d) ग्लानि

179. The combination of Rajoguna, Pitta and Vayu originate –
(a) Murchha (b) Bhranti
(c) Tandra (d) Glani

180. किस त्वचा में सभी प्रकार के कुष्ठ के स्थान है –
(a) अवभासिनी (b) लोहिता
(c) श्वेता (d) वेदनी

180. All type of Kustha are placed in which skin-
(a) Avabhasini (b) Lohita
(c) Shweta (d) Vedani

****ooo****

****ooo****

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)

SET B

BHU-2012

1	C	31	C	61	D	91	B	121	D	151	A
2	A	32	B	62	D	92	A	122	B	152	A
3	A	33	B	63	B	93	D	123	C	153	A
4	A	34	C	64	A	94	D	124	D	154	B
5	B	35	C	65	C	95	A	125	B	155	D
6	A	36	C	66	C	96	C	126	A	156	A
7	C	37	C	67	C	97	B	127	A	157	A
8	C	38	A	68	B	98	C	128	B	158	B
9	B	39	D	69	A	99	B	129	B	159	C
10	C	40	C	70	B	100	D	130	A	160	D
11	B	41	B	71	A	101	B	131	A	161	A
12	B	42	A	72	B	102	C	132	A	162	C
13	A	43	B	73	B	103	B	133	D	163	A
14	A	44	A	74	C	104	D	134	D	164	D
15	D	45	D	75	D	105	A	135	B	165	A
16	A	46	A	76	B	106	B	136	A	166	B
17	B	47	C	77	A	107	C	137	B	167	B
18	C	48	B	78	C	108	A	138	B	168	C
19	A	49	B	79	C	109	A	139	D	169	C
20	A	50	B	80	C	110	B	140	A	170	C
21	A	51	C	81	B	111	A	141	C	171	C
22	A	52	D	82	C	112	A	142	B	172	D
23	C	53	D	83	A	113	B	143	B	173	C
24	A	54	C	84	C	114	C	144	B	174	A
25	B	55	B	85	D	115	D	145	B	175	B
26	B	56	B	86	D	116	B	146	B	176	C
27	C	57	B	87	B	117	C	147	A	177	A
28	A	58	A	88	B	118	A	148	B	178	D
29	A	59	C	89	C	119	C	149	C	179	B
30	B	60	B	90	A	120	B	150	A	180	D

Shyam-Vidya
Ayurved P.G Entrance
Exam. Coaching Center
Bhopal (M.P.)